हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल (केंद्रीय) विश्वविद्यालय

श्रीनगर गढ़वाल, उत्तराखंड–246174

प्रो. गुड्डी बिष्ट पंवार
संयोजक एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
हे.न.ब.ग. केन्द्रीय वि. वि. श्रीनगर (ग.)

कला, संचार एवं भाषा संकाय

पाठ्यक्रम

हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा–विभाग

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 के अनुरूप)

एम॰ए॰ तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर

(केवल बैच 2025–27 हेतु)

प्रो. गुड्डी बिष्ट पंवार
संयोजक एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
हे.न.ब.ग. केन्द्रीय वि. वि. श्रीनगर (ग.)

TWO-YEAR PG

केवल बैच 2025–27 हेतु

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (द्विवर्षीय)

Third Semester for 2-year P.G. program

Course category	Semester-III		Credits
Discipline Specific Core (DSC)	DSC-1	हिमालयीय साहित्य एवं संस्कृति	5
	DSC-2	हिंदी आलोचना साहित्य	5
	DSC-3	आधुनिक हिंदी काव्य	5
	DSC-4	नाटक एवं रंगमंच	5
Discipline Specific Elective (DSE)	DSE-1	i. जयशंकर प्रसाद (विकल्प-1) ii. चंद्रकुंवर बर्त्वाल (विकल्प-2)	4
		Total Credits	24

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर (द्विवर्षीय)

Fourth Semester for 2-year P.G. program

Course category	Semester-IV		Credits
Discipline Specific Core (DSC)	DSC-1	प्रयोजनमूलक हिंदी	5
	DSC-2	हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	5
	DSC-3	समकालीन हिंदी कविता	5
	DSC-4	जनसंचार एवं तकनीक	5
Discipline Specific Elective (DSE)	DSE-1	i. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (विकल्प-1) ii. गौरा पंत 'शिवानी' (विकल्प-2)	4
		Total Credits	24

प्रो. गुड्डी बिष्ट पंवार
संयोजक एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग
हे.न.ब.ग. केन्द्रीय वि. वि. श्रीनगर (ग.)

TWO-YEAR PG

केवल बैच 2025–27 हेतु

एम॰ए॰ तृतीय सेमेस्टर (द्विवर्षीय)

Third Semester for 2-year P.G. program

Course category	Semester-III		Credits
Discipline Specific Core (DSC)	DSC-1	हिमालयी साहित्य एवं संस्कृति	5
	DSC-2	हिंदी आलोचना	5
	DSC-3	आधुनिक हिंदी कविता	5
	DSC-4	हिंदी नाटक एवं रंगमंच	5
Discipline Specific Elective (DSE)	DSE-1	i. जयशंकर प्रसाद ii. चंद्रकुंवर बर्त्वाल	4
		Total Credits	24

एम॰ए॰ चतुर्थ सेमेस्टर (द्विवर्षीय)

Fourth Semester for 2-year P.G. program

Course category	Semester-IV		Credits
Discipline Specific Core (DSC)	DSC-1	प्रयोजनमूलक हिंदी	5
	DSC-2	हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	5
	DSC-3	समकालीन हिंदी कविता	5
	DSC-4	जनसंचार एवं तकनीक	5
Discipline Specific Elective (DSE)	DSE-1	i. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ii. गौरा पंत 'शिवानी'	4
		Total Credits	24

एम॰ए॰ तृतीय सेमेस्टर

ग्यारहवां प्रश्नपत्र - हिमालयी साहित्य एवं संस्कृति

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 05

इकाई-1

- हिमवान – गोस्वामी तुलसीदास।
- मातृभूमि – मैथिलीशरण गुप्त।

इकाई-2

- हिमालय – जयशंकर प्रसाद।
- हिमाद्रि – सुमित्रानंदन पंत।

इकाई-3

- हिमालय – चंद्रकुंवर बर्त्वाल।
- वीरों का कैसा हो बसंत – सुभद्रा कुमारी चौहान।

इकाई-4

- हिमालय के प्रति – रामधारी सिंह दिनकर।
- दूर्वांचल – अज्ञेय।
- बादल को घिरते देखा है – नागार्जुन।

निर्देश – उपरोक्त कविताएं महादेवी वर्मा द्वारा संपादित पुस्तक 'हिमालय' से ली गई हैं।

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या भाग सहित दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिमवान – गोस्वामी तुलसी दास– (रामचरित मानस– गोस्वामी तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर, संस्करण–2014)
2. मातृभूमि– (मैथिलीशरण गुप्त ग्रंथावली–1, संपादक– कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, संस्करण–2008
3. हिमालय परिचय– राहुल सांकृत्यायन, ज्ञान पब्लिशिंग हाउस, संस्करण–2025
4. रामचरितमानस – गोस्वामी तुलसी दास– गीता प्रेस, गोरखपुर, संस्करण–2014
5. काव्य प्रसंग और काव्य संहिता – चंद्रकुंवर बर्त्वाल।
6. हिमालय गाथा– देव परंपरा सुदर्शन वशिष्ट, किताबघर प्रकाशन, संस्करण–2007
7. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र– शरण कुमार लिंबाले, वाणी प्रकाशन, संस्करण–2020
8. हिमोत्कर्ष – डॉ॰ शिवानंद नौटियाल।

एम॰ए॰ तृतीय सेमेस्टर
बारहवां प्रश्नपत्र - हिंदी आलोचना

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 05

इकाई-1 :

- आलोचना की अवधारणा और स्वरूप।
- आलोचनात्मक दृष्टियां : व्यक्तिवादी, तुलनात्मक, ऐतिहासिक, समाजशास्त्रीय, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, मार्क्सवादी एवं प्रगतिशील, भाषावैज्ञानिक तथा शैलीविज्ञान आलोचना।

इकाई-2 :

- महावीर प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि।
- श्यामसुंदर दास की आलोचना दृष्टि।
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि।

इकाई-3 :

- नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना दृष्टि।
- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि।
- डॉ॰ रामविलास शर्मा की आलोचना दृष्टि।

इकाई-4 :

- डॉ॰ नगेंद्र की आलोचना दृष्टि।
- नामवर सिंह की आलोचना दृष्टि।
- रामस्वरूप चतुर्वेदी की आलोचना दृष्टि।

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या सहित दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी आलोचना– विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–2019
2. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी – निर्मल जैन – राधाकृष्ण प्रकाशन, संस्करण–2006
3. हिंदी आलोचना का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, संस्करण–2019
4. समकालीन हिंदी आलोचक और आलोचना – डॉ. रामबक्ष, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकुला, संस्करण–2017
5. समकालीन हिंदी आलोचना – परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, संस्करण–2021
6. हिंदी आलोचना का विकास – नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–2012
7. आधुनिकता और हिंदी आलोचना – इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–1975
8. हिंदी आलोचना की सैद्धांतिकी – विनोद शाही, आधार प्रकाशन, संस्करण–2018

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

तेहरवां प्रश्नपत्र - आधुनिक हिंदी कविता

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 05

इकाई-1

मैथिलीशरण गुप्त - साकेत - नवम सर्ग (साकेत, लोकभारती प्रकाशन, 2020)

माखनलाल चतुर्वेदी - पुष्प की अभिलाषा

इकाई-2

जयशंकर प्रसाद – कामायनी- आनंद सर्ग (कामायनी, लोकभारती प्रकाशन, 2008)

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – कुकुरमुत्ता (कुकुरमुत्ता, लोकभारती प्रकाशन, 2023)

इकाई-3

नागार्जुन- गाँधी (नागार्जुन रचना संचयन, सं. राजेश जोशी, साहित्य अकादमी में संकलित)

अज्ञेय - नदी के द्वीप। (हरी घास पर क्षण भर, अज्ञेय, प्रगति प्रकाशन,1949, नई दिल्ली में संकलित)

इकाई-4

मुक्तिबोध- ब्रह्म राक्षस (चाँद का मुँह टेढ़ा है, अनन्य प्रकाशन, 2016)

राजेश जोशी - चाँद की वर्तनी (चाँद की वर्तनी, राजकमल प्रकाशन, 2019 में संकलित)

नोट- संपूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या सहित दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, 2008
2. नई कविता और अस्तित्ववाद रामविलास शर्मा, राजपाल पब्लिशिंग, 2003
3. समकालीन हिंदी कविता, परमानंद श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, 2021
4. कविता के नए प्रतिमान नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, 1968
5. आधुनिक हिंदी काव्य डॉ. सत्यनारायण सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, 2012
6. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास, नंदकिशोर नवल, वाणी प्रकाशन, 2023

एम॰ए॰ तृतीय सेमेस्टर
चौदहवां प्रश्नपत्र - हिंदी नाटक एवं रंगमंच

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 05

इकाई–01

- नाटक, उद्‌भव, अवधारणा एवं विकास
- रंगमंच, उद्‌भव, अवधारणा एवं विकास
- नाटक एवं रंगमंच का संबंध

इकाई–02

- भारत दुर्दशा – भारतेंदु हरिश्चंद्र
- स्कंदगुप्त – जयशंकर प्रसाद

इकाई–03

- आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश
- बकरी – सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

इकाई–04

- एक और द्रोणाचार्य – शंकरशेष
- महाभोज – मन्नू भंडारी

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ –

1. भारत दुर्दशा – भारतेन्दु हरिश्चंद्र, प्रभाकर प्रकाशन, संस्करण–2022
2. स्कंदगुप्त – जयशंकर प्रसाद, वाणी प्रकाशन, संस्करण–2022
3. आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश, राजपाल एण्ड संस, संस्करण–1997
4. बकरी – सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, वाणी प्रकाशन, संस्करण–2020
5. एक और द्रोणाचार्य – शंकर शेष, रावत प्रकाशन, संस्करण–2012
6. महाभोज – मन्नू भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, संस्करण–2022
7. हिंदी नाटक और उद्भव और विकास, डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, संस्करण–2014
8. हिंदी नाटक, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, संस्करण–2008
9. रंगमंच और नाटक की भूमिका, लक्ष्मीनारायण लाल, नई किताब प्रकाशन संस्करण – 2025
10. भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच – डॉ0 अनीता देवी, श्री नटराज प्रकाशन, संस्करण – 2024
11. नाटक और रंगमंच के विविध आयाम, हरीश अरोड़ा, साहित्य संचय, संस्करण – 2016

एम०ए० तृतीय सेमेस्टर

पंद्रहवां प्रश्नपत्र - जयशंकर प्रसाद (विकल्प–01)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 04

इकाई-1 : काव्य

- चिंता सर्ग, इड़ा सर्ग (कामायनी)।
- आँसू (प्रारंभ के 30 छंद)।

इकाई-2 : कहानी

- आकाशदीप
- शरणागत
- ममता
- पुरस्कार
- भिखारिन

इकाई-3 : उपन्यास

- तितली

इकाई-4 : नाटक

- चंद्रगुप्त
- ध्रुवस्वामिनी

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या सहित दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. छायावाद– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–2024
2. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि– डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, संस्करण–2020
3. कामायनी में काव्य संस्कृति और दर्शन– डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना, आगरा विनोद पुस्तक मंदिर, संस्करण–1971
4. कामायनी के अध्ययन की समस्याएं – डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पेपरबैक, संस्करण–2024
5. छायावाद के आधार स्तम्भ – गंगा प्रसाद पांडे, लिपि प्रकाशन, संस्करण–1991
6. छायावाद – पुनर्मूल्यांकन, सुमित्रानंदन पंत
7. चिंता सर्ग, इड़ा सर्ग (कामायनी) राजपाल एण्ड संस, संस्करण – 2015
8. आँसू (प्रारंभ के 30 छंद), साहित्य सरोवर पब्लिशर, संस्करण – 2021
9. आकाशदीप, जयशंकर प्रसाद – प्रतिनिधि कहानियाँ, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–2013
10. शरणागत, जयशंकर प्रसाद – प्रतिनिधि कहानियाँ, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–2013
11. ममता, जयशंकर प्रसाद – प्रतिनिधि कहानियाँ, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–2013
12. पुरस्कार जयशंकर प्रसाद – प्रतिनिधि कहानियाँ, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–2013
13. भिखारिन, जयशंकर प्रसाद – जयशंकर प्रसाद ग्रंथावली, संपादक – सत्य प्रकाश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, संस्करण–2010
14. तितली, जयशंकर प्रसाद, शिवांक प्रकाशन, संस्करण–2024
15. चंद्रगुप्त, जयशंकर प्रसाद, वाणी प्रकाशन, संस्करण–2012
16. ध्रुवस्वामिनी, जयशंकर प्रकाशन, पेंगुइन बुक्स, संस्करण–2019

एम॰ए॰ तृतीय सेमेस्टर

पंद्रहवां प्रश्नपत्र - चंद्रकुंवर बर्त्वाल (विकल्प–02)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 04

इकाई-1 :

- विराट ज्योति (काव्य–संग्रह)।

इकाई-2 :

- मेघनंदिनी (प्रथम 30 छंद)।

इकाई-3 :

- काफल–पाक्कू (काव्य संग्रह)।

इकाई-4 :

- कंकड़–पत्थर (प्रथम 15 कविताएं)।

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या सहित दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. छायावाद के आधार स्तम्भ – गंगाप्रसाद पांडे, लिपि प्रकाशन, संस्करण–1991
2. छायावाद – डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–2024
3. छायावाद के गौरव चिन्ह – श्रीपाल सिंह क्षेप, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, संस्करण–1956
4. चंद्रकुँवर काव्य प्रसंग और काव्य संहिता – श्रीकण्ठ।
5. आधुनिक काव्य यात्रा – डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, संस्करण – 2015

एम॰ए॰ चतुर्थ सेमेस्टर

सोलहवां प्रश्नपत्र - प्रयोजनमूलक हिंदी

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 05

इकाई-1

- प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप– सर्जनात्मक भाषा, संचार, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।
- कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख कार्य– पत्र–लेखन, संक्षेपण, पल्लव, टिप्पण, पारिभाषिक शब्दावली– स्वरूप एवं महत्त्व, अनुवाद एवं विभिन्न क्षेत्रों का परिचय।

इकाई-2

- हिंदी कंप्यूटिंग– कंप्यूटर परिचय, उपयोग तथा क्षेत्र, वेब पब्लिशिंग, प्रमुख ब्राउजर, ई–मेल उपयोगिता और कार्यप्रणाली, हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, हिंदी के प्रमुख सॉफ्टवेयर।
- पत्रकारिता स्वरूप, प्रकार एवं वि ोशताएं, हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, संपादन के आधारभूत तत्त्व, प्रूफ शोधन।

इकाई-3

- जनसंचार प्रौद्योगिकी, विभिन्न जनसंचार माध्यमों का परिचय एवं वि ोशताएं : मुद्रण, श्रव्य, दृ य माध्यम, इंटरनेट।
- मुद्रण माध्यम : समाचार लेखन कला, शीर्षक की संरचना, लीड, इंट्रो, संपादकीय लेखन, पृष्ठ–सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकारवार्ता एवं प्रेस–प्रबंधन

इकाई-4

- श्रव्य माध्यम (रेडियो) : श्रव्य माध्यम की भाषा प्रकृति, श्रव्य माध्यम के लिए समाचार लेखन, उद्घोशण लेखन, रेडियो नाटक।
- दृश्य–श्रव्य माध्यम (टेलीविजन एवं इंटरनेट)– दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, पार्श्व वाचन (वायस ओवर), पटकथा लेखन, साहित्य के माध्यम से दृश्य माध्यमों में रुपांतरण।

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी कार्मिक (प्रयोजनमूलक हिंदी)– डॉ॰ शंकर 'क्षेम' एवं डॉ॰ कंचन शर्मा, प्रकाश बुक डिपो, बरेली।
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली, संस्करण–2019
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – सिद्धांत और प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2016
4. प्रारूपण टिप्पण और प्रूफपठन– डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2018
5. कामकाजी हिंदी – डॉ॰ कैलाश चंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2021
6. कंप्यूटर और हिंदी – डॉ॰ हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2023
7. जनसंपर्क प्रचार एवं विज्ञान– विजय कुलश्रेष्ठ, राजस्थान प्रकाशन, 2008

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
सत्रहवां प्रश्नपत्र - हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 05

इकाई-1

- विचारधारा और साहित्य
- मध्ययुगीन बोध
- भक्ति आंदोलन एवं भक्तिकाल की सामाजिक परिस्थिति

इकाई-2

- आधुनिक बोध
- भारतेंदु एवं द्विवेदी युग का काव्य
- स्वाधीनता आंदोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि

इकाई-3

- स्वच्छंदतावाद (रोमांटिज्म)
- मनोविश्लेषणवाद, मार्क्सवाद
- गांधीवाद (सत्य, अहिंसा और स्वराज)

इकाई-4

- दलित चेतना
- स्त्री–विमर्श
- आदिवासी, किन्नर विमर्श

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य वैचारिक पृष्ठभूमि – डॉ. लालचंद गुप्त 'मंगल', हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला, 2012
2. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली – डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2025
3. आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द – बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2018
4. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, संस्करण–2024
5. हिंदी साहित्य की भूमिका – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2008

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

अठारहवां प्रश्नपत्र - समकालीन हिंदी कविता

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 05

इकाई-1 समकालीन हिंदी कविता : संदर्भ एवं प्रकृति

इकाई-2 समकालीन हिंदी कविता की विशेषताएँ

इकाई-3 प्रमुख समकालीन कवि – पाठ एवं आलोचना

कुँवर नारायण

- 'तुम्हें खोकर मैंने जाना' ('वाजश्रवा के बहाने', भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)
- 'शब्दों का परिसर'('वाजश्रवा के बहाने', भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)

चंद्रकांत देवताले

- 'पुनर्जन्म', ('लकड़बग्घा हंस रहा है', संभावना प्रकाशन, काव्य संग्रह में संकलित)
- 'माँ जब खाना परोसती है' ('चंद्रकांत देवताले प्रतिनिधि कविताएं', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)

धूमिल

- 'रोटी और संसद', ('कल सुनना मुझे', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)
- 'मोचीराम' ('संसद से सड़क तक', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)

विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

- 'उड़ गई माँ' ('आखर अनंत', राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)
- 'आखर अनंत' ('आखर अनंत', राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, ,काव्य संग्रह में संकलित)

अशोक बाजपेयी

- 'प्रेम के लिए जगह' ('थोड़ी सी जगह', राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य में संकलित)
- 'अरण्य' ('कहीं नहीं वहीं', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)

राजेश जोशी

- 'माँ कहती है' ('एक दिन बोलेंगे पेड़ भी', संभावना प्रकाशन, हापुड़, काव्य संग्रह में संकलित)
- 'जन्म' ('नेपथ्य में हंसी', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)

मंगलेश डबराल

- 'घर शांत है' ('हम जो देखते हैं', राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)
- 'घर' ('पहाड़ पर लालटेन', राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)

बद्री नारायण

- 'प्रेमपत्र' ('उर्वर प्रदेश', संपादक – अन्विता अब्बी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)
- 'विश्वास' ('शब्दपदीयम', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या सहित दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ-ग्रंथ

1. 'समकालीन हिंदी कविता', विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, संस्करण–2010
2. 'समकालीन हिंदी कविता', संपादक - डॉ एन. मोहनन, राजपाल एंड संस प्रकाशन, संस्करण–2022
3. 'समकालीन हिंदी कविता', संचयन एवं संपादन - आलोक गुप्त, हिंदी साहित्य अकादमी, गांधीनगर, गुजरात, संस्करण -2011
4. 'समकालीन हिंदी कविता का परिप्रेक्ष्य और नवगीत', डॉ शंभूनाथ सिंह, संजय बुक सेंटर, वाराणसी।
5. 'समकालीन हिंदी कविता का निहितार्थ', डॉ मृत्युंजय उपाध्याय, तक्षशिला प्रकाशन, संस्करण–2019
6. 'समकालीन हिंदी कविता का देशांतर', डॉ. चंद्रकांत सिंह, अनामिका प्रकाशन, संस्करण–2023
7. 'समकालीन हिंदी कविता', संपादक - परमानंद श्रीवास्तव, हिंदी साहित्य अकादमी, संस्करण–2010
8. 'समकालीन हिंदी कविता : अज्ञेय और मुक्तिबोध के संदर्भ में', डॉ शशि शर्मा, पेंगुइन बुक्स प्रकाशन, संस्करण -1955
9. 'समकालीन कविता का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन', डॉ मनु शर्मा
10. 'समकालीन कविता और सौंदर्य बोध', लेखक रोहिताश्व, वाणी प्रकाशन, संस्करण–2022
11. 'समकालीन हिंदी कविता की भाषिक संरचना', डॉ. सीमा जैन, अस्तित्व प्रकाशन।
12. 'समकालीन कविता और भारतीय चेतना', कुन्दन माली, सुभद्रा प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण–2016
13. 'समकालीन हिंदी कविता प्रवृत्तियां और अभिव्यक्तियां', डॉ अवनीश कुमार अस्थाना, गोयल प्रकाशन, संस्करण-2019
14. 'समकालीन कविता में छंद', सम्पादक - सच्चिदानंद वात्स्यायन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस प्रकाशन, संस्करण–1987
15. 'समकालीन हिंदी कविता ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य' (1980-2000), लेखक ओम निश्चल, विजया बुक प्रकाशन।
16. 'समकालीन हिंदी कविता और मंगलेश डबराल', डॉ उमेश अशोक शिंदे, चंद्रलोक प्रकाशन, संस्करण–2021
17. 'विचारधारा नए विमर्श और समकालीन कविता', जितेंद्र श्रीवास्तव, किताब घर प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण–2013
18. 'समकालीन हिंदी कविता में मूल्यबोध', डॉ प्रदीप कुमार मीणा, गीता प्रकाशन, संस्करण–2017
19. 'समकालीन कविता का जनतंत्र', अरुण होता, सेतु प्रकाशन, संस्करण–2026
20. 'समकालीन हिंदी कविता', डॉ. देशराज भाटी, साहित्य मंदिर प्रकाशन, संस्करण–1972
21. समकालीन हिंदी कविता का स्त्री पक्ष, डॉ. वीरेंद्र प्रताप सिंह, संस्करण–2024
22. समकालीन काव्य यात्रा, ननद किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2004
23. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास, ननद किशोर नवल, ज्ञानपीठ वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2023

एम॰ए॰ चतुर्थ सेमेस्टर
उन्नीसवां प्रश्नपत्र - जनसंचार एवं तकनीक

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 05

इकाई-1 : जनसंचार – स्वरूप एवं अवधारणा

- जनसंचार : अर्थ, परिभाषा व स्वरूप।
- जनसंचार के उद्देश्य।
- जनसंचार का प्रसार एवं महत्व।
- जनसंचार के प्रकार।

इकाई-2 : जनसंचार – माध्यम और तकनीक

- जनसंचार तथा सूचना तकनीक।
- मुद्रण, श्रव्य और दृश्य माध्यम।
- इंटरनेट और जनसंचार।
- डिजिटल माध्यम (सोशल मीडिया– फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम)।

इकाई-3 : हिंदी भाषा और जनसंचार

- हिंदी का डिजिटल युग में विस्तार।
- हिंदी कंटेंट राइटिंग।
- न्यू मीडिया और ब्लॉगिंग।
- हिंदी जनसंचार का वैश्विक परिदृश्य।

इकाई-4 : जनसंचार और लोकतंत्र

- जनसंचार माध्यमों का प्रयोग और नागरिक कर्तव्य।
- आपात स्थितियों में जनसंचार की भूमिका।
- प्रेस कानून : सामान्य परिचय।
- साइबर कानून : सामान्य परिचय।

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. भूमंडलीकरण और मीडिया– कुमुद शर्मा।
2. जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य, सुधीश पचौरी।
3. जनसंचार माध्यमों का राजनीतिक चरित्र– जबरीमल्ल पारख।
4. इंटरनेट पत्रकारिता– सुरेश कुमार।
5. सोशल नेटविर्किंग : नए समय का संवाद, संजय द्विवेदी (संपादक)।
6. वर्चुअल रिएलिटि और इंटरनेट– जगदीश्वर चतुर्वेदी।

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

बीसवां प्रश्नपत्र - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (विकल्प–1)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 04

इकाई 1 – व्यक्तित्व एवं कृतित्व

- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का जीवन परिचय
- निराला का रचना संसार
- छायावाद और निराला
- निराला की वैचारिक चेतना – मानवतावाद, विद्रोह एवं प्रगतिशील दृष्टि

इकाई 2 – निराला की प्रमुख कविताएँ

- जूही की कली
- भिक्षुक
- सरोज स्मृति
- वह तोड़ती पत्थर
- राम की शक्ति पूजा

इकाई 3 – निराला का काव्य : संवेदना एवं शिल्प

- निराला की काव्य–दृष्टि
- प्रकृति चित्रण एवं सौंदर्य–बोध
- राष्ट्रीय चेतना एवं सामाजिक सरोकार
- करुणा, विद्रोह और मानवीय संवेदना
- मुक्तछंद और काव्य–भाषा की नवीनता

इकाई 4 – निराला का गद्य साहित्य

- उपन्यास बिल्लेसुर बकरिहा (1941) : कथानक एवं अन्तर्वस्तु का विश्लेषण
- बिलासुर बकरिहा का औपन्यासिक ि ाल्प
- कहानी : 'लिली' और 'न्याय' का कथानक एवं अन्तर्वस्तु का विश्लेषण
- 'लिली' और 'न्याय' कहानी का कथा–ि ाल्प

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या सहित दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन।
3. निराला की काव्य साधना : वीणा भार्मा, हिंदी साहित्य संसार।
4. महाप्राण निराला पुनर्मूल्यांकन – डॉ प्रेमशंकर त्रिपाठी, श्री बड़ाबाजार कुमार सभा पुस्तकालय, कलकत्ता।
5. परिमल : कविता संग्रह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. अनामिका, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
7. गीतिका, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, कविता संग्रह, राजपाल एंड संस।
8. राम की शक्ति पूजा, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. सरोज स्मृति, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, लोकभारती प्रकाशन।
10. उपन्यास : बिल्लेसुर बकरिहा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।

एम॰ए॰ चतुर्थ सेमेस्टर
बीसवां प्रश्नपत्र - गौरा पंत 'शिवानी' (विकल्प–2)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 04

1. इकाई

उपन्यास

1. चौदह फेरे
2. सुरंगमा

2. इकाई

कहानी

1. लाल हवेली
2. लाटी
3. धुआँ

3. इकाई

संस्मरण- 1. अरुंधती

यात्रावृत- 1. यात्रिक

4. इकाई

आत्मकथा- 1. सुनहुँ तात यह अकथ कहानी

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी का गद्य साहित्य- डॉ. रामचन्द्र तिवारी , विश्वविद्यालय प्रकाशन ,2025
2. शिवानी के उपन्यासों मे चित्रित समसामयिक समस्याएं- डॉ. अजीर भील, विकास प्रकाशन, 2023
3. शिवानी के कथा साहित्य मे सौंदर्य बोध- डॉ. सविता, नमन प्रकाशन, 2021
4. शिवानी के कथा साहित्य मे संवेदना और शिल्प- डॉ. पंकज वीरवाल,सुभद्रा पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2016